****

मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति

वार्षिक प्रगति रिपोर्ट

1 अप्रैल,2020 से 31 मार्च,2021

** **********

गठन व पृष्ठभूमि

मंडी जिला में साक्षरता अभियान की शुरूआत के लिए प्रयास हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा चलाए गए अभियान से पहले हो चुके थे। बहुचर्चित भोपाल गैस कांड ने जब सारे देश को हिला कर रख दिया था, तब राष्ट्रीय स्तर पर वैज्ञानिकों, बुद्धिजीवियों, लेखकों व कलाकारों को मंच पर इकट्ठा करने की जरूरत महसूस हुई। वर्ष 1987 में 26 संगठनों ने अपने आपको अखिल भारतीय जन विज्ञान नेटवर्क के रूप में संगठित किया ताकि लोगों को वैज्ञानिक तौर तरीकों तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण के प्रति बेहतर समझ विकसित की जा सके तथा समाज के विकास में उनके योगदान के प्रति अवगत करवाया जा सके। समाज में इस सोच को विकसित करने के लिए वातावरण निर्माण की जरूरत थी जो कला जत्थे कार्यक्रम ने पूरी की। पूरे देश में पांच क्षेत्रीय कला जत्थों को प्रशिक्षित किया गया तथा उनके द्वारा 25हजार कि.मी. की दूरी तय कर 500 से ज्यादा स्थानों पर कार्यक्रम दिखाये गये। यह कार्यक्रम यूं तो प्रदेश के अन्य हिस्सों में भी दिखाए गए। परंतु मंडी के लिए ये कार्यक्रम खास इसलिए थे क्योंकि मंडी के एक साथी कुलदीप गुलेरिया इसमें शामिल थे। जिला में कुछ जागरूक नवयुवकों में कुछ कर गुजरने का जुनून सा सवार हो गया। साक्षरता अभियान एक ऐसा माध्यम होगा जिसके जरिये देश के पिछड़े, दबे कुचले व शोषित आदमी तक पहुंचा जा सकता है। इस अभियान की लोकप्रियता के लिए राष्ट्रीय साक्षरता मिशन को केरल के अर्नाकुलम जिले में चले साक्षरता अभियान आदर्श मॉडल के रूप में मिला।

वर्ष 1990 को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता वर्ष के रूप में मनाया गया। भारत ज्ञान विज्ञान समिति ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय के सहयोग से आत्म निर्भरता व राष्ट्रीय एकता के लिए विज्ञान और साक्षरता का नारा देकर देश के लगभग 6 लाख गांवों में साठ हजार केन्द्रों में भारत ज्ञान विज्ञान जत्थे आयोजित करने का आहवान किया। मंडी जिला भी इससे अछूता नहीं रहा। साक्षरता दूत के रूप में राजेन्द्र मोहन और भूपेन्द्र सिंह ने कला जत्थे की अगुवायी की। 25जून,1990 को जिला स्तरीय सम्मेलन में ही एक कला जत्थे का गठन हुआ जो थोड़े से प्रशिक्षण के बाद गांव गांव में साक्षरता की मशाल जलाने चल पड़ा। उसी जत्थे ने लोगों में साक्षरता के विषय को चर्चा का मुद्दा बनाया। जत्थे द्वारा तैयार नाटक कथा रामदीन के मुख्य पात्र रामदीन में गांव वालों को अपना अक्स नजर आया। तत्तकालीन उपायुक्त डा. अशोक रंजन बसु की अध्यक्षता में भारत ज्ञान विज्ञान समिति की मंडी इकाई का गठन किया गया। मंडी में यहीं से साक्षरता अभियान का सूत्रपात हुआ।

साक्षरता की लौ का प्रज्ज्वलन

मंडी जिले में साक्षरता अभियान के लिए जमीन पहले से तैयार हो चुकी थी। भारत ज्ञान विज्ञान समिति की मंडी इकाई पहले से मौजूद थी। परंतु हिन्दी के वरिष्ठ लेखक व सेवानिवृत प्राचार्य प्रो. सुंदर लोहिया ने इस अभियान में जुड़ने की सहमति मिलने से साक्षरता के कार्य व जागरूक नवयुवकों को अधिक बल मिला। प्रो. लोहिया हालांकि सेवानिवृति के पश्चात पत्र पत्रिकाओं के प्रकाशन से अपने को जोड़ कर लोगों में वैज्ञानिक चेतना का प्रसार करने का मन बना रहे थे परंतु जिले के जनूनी नौजवानों का साक्षरता के प्रति रूझान व उनकी साक्षरता अभियान से जुड़ने की अपील को भी वे ठुकरा न सके। बहस दर बहस के बाद उनकी सहमति मिल पाई। प्रो. लोहिया की सहमति मिलते ही जिले में साक्षरता अभियान चलाने के लिसे विचार विमर्श शुरू हो गया।

यह वह समय था जब साक्षरता कर्मियों के पास न तो अपना दफतर था न ही बैठने की कोई ऐसी जगह, जहां पर बैठकर इस अभियान की कार्य योजना बनाई जा सके। ऐसी विकट परिस्थिति में साहित्यकारों की मिलन स्थली की दुकान "अलंकार" काम आयी। जहां बैठकर इस विषय पर बातचीत की जाती थी। दूसरी तरफ साक्षरता अभियान की मूल भावना को जिला प्रशासन को समझने में काफी मेहनत करनी पड़ी। क्योंकि तत्कालीन उपायुक्त श्री अजय मितल इस बात से सहमत नहीं थे कि एक साथ पूरे जिले में साक्षरता अभियान चल सकता है। उनका तर्क था कि पहले एक पंचायत को साक्षर करके दिखाओं, तब मेरे पास आना। जबकि अभियान की प्रकृति के अनुसार जिला स्तर पर साक्षरता का काम शुरू होना था साथ ही उपायुक्त का इस समिति का अध्यक्ष बनना भी जरूरी था।

मंडी साक्षरता समिति का गठन

सरकार ने पूरे प्रदेश के लिए संपूर्ण साक्षरता अभियान की परियोजना राष्ट्रीय साक्षरता मिशन द्वारा स्वीकृत करवा ली थी। प्रदेश में इसकी शुरूआत 14 जून,1992 को हिमाचल विश्व विद्यालय के सभागार में भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति महामहिम श्री आर. वेकटरमन द्वारा साक्षरता ज्योति प्रज्जवलित की गई। परंतु जिला मंडी में 5फरवरी,1992 को विधिवत ढंग से मंडी साक्षरता समिति का गठन सोसायटी एक्ट 1860 के तहत कर दिया गया था। तत्कालीन अतिरिक्त उपायुक्त श्री जी.एस.राठौर समिति के अध्यक्ष बने और प्रो. सुंदर लोहिया सचिव बनाए गए। फरवरी माह में ही मंडी जिला के लिए अलग से साक्षरता परियोजना तैयार की गई। आर्थिक रूप से कमजोर होने के बावजूद जन सहयोग व इधर उधर से पैसा इकठ्ठा करके निरक्षरता के खिलाफ पढ़े–लिखे लोगों को एकजुट करने का प्रयास शुरू हो चुका था।

मंडी साक्षरता समिति द्वारा पहले चरण में सदर, सुंदरनगर तथा रिवालसर में अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। दूसरे चरण में बाकि के सात खडों में अभियान चलाया गया। चरणबद्व तरीके से अभियान चलाने का उद्देश्य यह था कि प्रथम चरण के अनुभवों का दूसरे चरण में लाभ उठाया जा सके तथा जो खामियां रहेगी उन्हें दोहराया न जा सके। समिति के गठन के चार माह बाद जब पूरे राज्य में साक्षरता ज्योति को रवाना किया गया तब जून माह में ज्योति के मंडी पहुंचने पर विशाल जलूस निकाला गया।

साक्षरता अभियान के दौरान जुड़ा स्वयंसेवीयों के काफिले को जन जुड़ाव व विभिन्न स्तरों पर समिति के साथ जुड़ चुके जन समुदाय को मँच की आवश्यकता थी। साक्षरता अभियान पूर्ण हो चुका था। अतः समिति द्वारा निर्णय लिया गया कि साक्षरता अभियान की परिभाषा के दुसरे बिन्दू जिसमें ''अपनी बदहाली के कारणों को समझना व इनसे मुक्ति की दिशा में संगठित होकर प्रयास करना'' इस बिन्दु की समझ के अनुसार **18 दिसम्बर,2003** में समिति का नाम बदलकर मण्डी साक्षरता एवम् जन विकास समिति रखा गया ताकि शिक्षा के साथ विकास के मुद्दे जुड़ सके। कपार्ट द्वारा प्रायोजित परियोजना जल स्त्रोतों का संरक्षण एवम् रखरखाव का कार्य किया। 1999 में समिति के साथ ज्यादातर महिलाओं का जुड़ाव हुआ था। इस जन जुड़ाव को गाँव स्तर पर ईकाई में बदलना था। अतः पिछले कार्य के अनुभव के आधार पर मण्डी में स्वयं सहायता समूह बनाने का निर्णय लिया गया। 2002 में राष्ट्रीय कृषि एवम् ग्रमीण विकास बैंक के साथ जुड़कर विभिन्न परियोजनाओं में कार्य किया जा रहा है जिसमें स्वयं सहायता समूह ,किसान क्लब, संयुक्त देयता समूह, गाँव विकास कार्यक्रम, वित्तीय साक्षरता अभियान, लोहागिरी कलस्टर विकास, थाची, मुख्य है। 2009 में सूक्ष्म बीमा कार्य जीवन निगम के साथ शुरू किया है। इसके अलावा सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान,मनरेगा आई.ई.सी में जिला ग्रमीण विकास अभिकरण के साथ मिलकर कार्य किया जा रहा है। समिति ने इन कार्यक्रमों को आम जनता ,प्रशासन,जन प्रतिनिधियों व स्वये सेवी कार्यकर्ताओं के सहयोग व मेहनत से देश में अग्रणी रूप से चलाया है। पिछले 3 वर्षो में समिति को हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा राज्य में सर्वश्रेष्ठ कार्यो हेतु समानित भी किया गया है। समिति ने जन सहयोग व प्रशासन के सहयोग से अपना भवन, स्त्रोत प्रशिक्षण केन्द्र, बैठक कक्ष, बनाया है।

संगठनात्मक :

समिति की 28 सदस्यीय साधारण सभा में से 18 सदस्यीय कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमें पदाधिकारी व कोर समूह का गठन किया गया जिसमें 9 सदस्य होगें।

क्र	नाम	पद	मोबाईल	फोटो
1	श्री हेमंत राज वैद्य	अध्यक्ष	94181- 00333	
2	श्री राजेंद्र मोहन	वरिष्ठ उपाध्यक्ष	94184- 94222	
3	श्री जोगिन्द्र वालिया	उपाध्यक्ष	94180- 23354	
4	श्री भीम सिंह	महासचिव	94180- 73190	
5	डा. वीना वैद्य	सचिव	94184- 56803	
6	श्री मुरारी शर्मा	सह सचिव	94180-25190	
7	श्री तिलक राम चौहान	सह सचिव	94181-64779	
8	श्रीमती सुनीता बिस्ट	सह सचिव	94180-85651	
9	श्री ललित शर्मा	कोषाध्यक्ष	94181-64777	
10	श्री भूपेंद्र सिंह	कार्यकारिणी सदस्य	94180-35530	
11	श्री बीरबल शर्मा	कार्यकारिणी सदस्य	94180-40040	

12	डा. विजय विशाल	कार्यकारिणी सदस्य	94181- 23571	
13	श्री नरपत राम	कार्यकारिणी सदस्य	94183- 71321	
14	श्री एनआर ठाकुर	कार्यकारिणी सदस्य	94184- 83177	
15	श्री नवल किशोर	कार्यकारिणी सदस्य	94186- 53288	
16	श्री सेवक राम	कार्यकारिणी सदस्य	94181-64778	
17	श्री कांशी राम	कार्यकारिणी सदस्य	94185-90074	
18	श्री देवेंद्र कुमार	कार्यकारिणी सदस्य	94182-77268	
19	श्री श्याम सिंह चौहान	साधारणसभा सदस्य	98170- 10786	
20	श्री देश राज शर्मा	साधारण सभा सदस्य	94181- 58281	
21	डा. कमल प्यासा	साधारण सभा सदस्य	98821- 76248	
22	श्री कुलदीप गुलेरिया	साधारण सभा सदस्य	94181- 44703	
23	श्री संजीव ठाकुर	साधारण सभा सदस्य	94184-99553	

24	श्री भगत सिंह	साधारण सभा सदस्य	94180- 37815	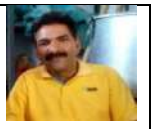
25	श्री खेम सिंह	साधारण सभा सदस्य	94184- 19729	
26	श्रीमती मीरा शर्मा	साधारण सभा सदस्य	94182-75772	
27	श्रीमती जयंवती	साधारण सभा सदस्य	94186- 52243	
28	श्री गजेन्द्र शर्मा	साधारण सभा सदस्य	94180-04088	

1.सूक्ष्म जीवन बीमा योजना

मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति द्वारा मार्च 2009 में भारतीय जीवन बीमा निगम से इकरार किया तथा सुक्ष्म बीमा की ऐजेंसी ली। वर्ष 2005 में तत्कालीन राष्ट्रपति स्व. डा. अब्दुल कलाम ने देश के आम जन तक बीमा की सुविधा पहुंचाने हेतु सूक्ष्म बीमा के नाम से योजना आरंभ की। इस कार्य हेतु समिति के दो मुख्य मकसद थे। एक तो गरीब आदमी को बीमा (सामाजिक सुरक्षा) से जोड़ना और दूसरा बीमा के नाम पर कुछ चिटफंड कंपनियों द्वारा आम जनता को लूटने से बचाना। भारतीय जीवन बीमा निगम क्योकि भारत सरकार का उपक्रम है।

इस योजना के अंतर्गत जिला में गरीब लोगों को आर्थिक रूप से मजबूत करने व उन्हें सामाजिक सुरक्षा देने के लिये कार्य किया जा रहा है। आर्थिक रूप से मजबूत जब कोई व्यक्ति होता तो वह बचत व भविष्य में आने वाली समस्याओं व विपदाओं के बारे में भी सोचेगा। दूसरी तरफ सामाजिक सुरक्षा तक भी पहुंच उसी सम्पन्न वर्ग की है चाहे बीमा एंजेट हों या सरकार द्वारा संचालित दूसरे सामजिक सुरक्षा के कार्यक्रम हो। भविष्य के लिए बचत और सामाजिक सुरक्षा भी इस अभियान के हिस्सा होंगे। इस योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब लोगों को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने का प्रयास किया जायेगा।

मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति द्वारा मंडी जिला में समस्त समाज के वंचित व कमजोर वर्ग के लोगों को सामाजिक सुरक्षा मुहैया करवाने बारे विशेष प्रयास किये जा रहे है जिसके तहत प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति तथा सुक्ष्म बीमा के तहत माईक्रों बचत, भाग्य लक्ष्मी व न्यू जीवन मंगल में लोगों को जोड़ा गया है ताकि किसी भी आपदा या विकट परिस्थिति में परिवार के बाकि सदस्यों को आर्थिक मदद मिल सके तथा लोगों को बचत की आदत भी पड़े सकें।

सुक्ष्म बीमाः सुक्ष्म बीमा के तहत खंड बार पॉलिसियों का विवरण

क्र	खंड का नाम	1अप्रैल 2020 से 31मार्च 2021 तक लक्ष्य	1अप्रैल 2020 से 31मार्च 2021 तक पॉलिसियॉ बनी
1.	सदर	4000	4160
2.	गोपालपुर	4000	3871
3.	बल्ह	4000	4021
4.	गोहर	2500	2639
5.	सराज	2500	2431
6.	सुंदरनगर	2000	1764
7.	बालीचौकी	2500	2178
8.	करसोग	2000	1513
9.	द्रंग	1000	638
10.	निहरी	500	1013
11.	चौंतड़ा	250	98
12.	धर्मपुर	200	97
	कुल	**25450**	**24423**

समिति द्वारा मार्च 2021 तक 25 हजार चार सौ पच्चास पॉलिसियों का लक्ष्य रखा गया था जिसमें से 31मार्च,2021 तक 24423 पॉलिसियां बनाई जा चुकी है लक्ष्य को प्राप्त किया जा चुका है।

1.1बीमा गांव

ग्रामीण स्तर पर सभी परिवारों को बीमा गांव से जोड़ने हेतु समिति द्वारा भारतीय जीवन बीमा निगम के साथ मिलकर महिला मंडलों व समूहों के माध्यम से बीमा गांव बनाने की मुहिम चलाई गई। राजस्व गांव में 75 या इससे अधिक लोगों को बीमा से जोड़ने पर उक्त गांव को बीमा गांव घोषित किया जाता है। बीमा गांवों को उनकी मांग के अनुसार भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा दिये गये प्रोत्साहन राशि के माध्यम से सामग्री सभी बीमा गांवों में पहुंचाई गई और वर्ष 2019–2020 में 62 बीमा गांव के प्रोत्साहन राशि हेतु प्रस्ताव निगम को भेजे गये हैं।

2.नाबार्ड परियोजना

मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति को नाबार्ड स्वयं सहायता समूहों का डिजीटाईजेशन संबंधी परियोजना स्वीकृत हुई है। जिसमें समिति द्वारा 4297 समूहों का गठन किया गया है। इस कार्य हेतु 120 ऐनीमेटरों को नियुक्त किया गया हैं। डिजिटाईजेशन के द्वितीय चरण में इन समूहों को मोबाईल एप्लीकेशन पर अपलोड किये गये है तथा समस्त ऐनीमेटरों को इस परियोजना के तहत हर माह समूहों के डाटा को अद्यतन करते रहेंगे। खंड बार ईशक्ति कार्यक्रम के तहत अपग्रेडेशन बैंक लिकेंज इत्यादि का विवरण निम्नलिखित हैः–

ईशक्ति परियोजना

Sr.	Block	Total SHG	Bank Link	Percentage %
1	BLH	366	272	74.32
2	**CHR**	**339**	**259**	**76.40**
3	DPR	287	162	60.27
4	DRG	336	232	69.35
5	GHR	304	188	62.17
6	**GPR**	**516**	**392**	**75.97**
7	KRG	563	300	53.29
8	SDR	789	587	74.40
9	SNR	365	261	71.51
10	SRJ	235	159	68.94
11	BLC	197	119	60.41
	Total	**4297**	**2931**	**68.58**

➢ ३०० संयुक्त देयता समूह परियोजना

३०० संयुक्त देयता समूह परियोजना के तहत अभी तक १८५ समूहों को क्रैडिट लिंक किया गया है। खण्ड बार शेष लक्ष्य निम्न प्रकार से है

Block	Total Target	Total Achieved
BLH	75	62
CHR	10	5
DPR	20	16
DRG	5	1
GHR	20	11
GPR	40	30
KRG	40	33
SDR	30	17
SNR	30	4
SRJ	20	6
BLC	5	0
NIHRI	5	0
Total	**300**	**185**

➢ एल०ई०डी०पी०परियोजना प्रस्ताव

आजीविका उद्यामिता विकास कार्यक्रम के तहत सराज खण्ड के जंजैहली में समूह की महिलाओं द्वारा लाहुली जुराबें बनाने का कार्य की स्वीकृति नाबार्ड से प्राप्त हुई है। जिस बारे कार्यशाला का आयोजन किया गया।

➢ एफ0पी0ओ0माहुंनाग

एफ.पी.ओ. माहुंनाग की सदस्यता 100 हो गई है। FPO की इक्यूटि शेयर को प्रति सदस्य 1000 हजार रू करने का लक्ष्य रखा गया है। 3 मार्च को कृषि विज्ञान केन्द्र सुन्दरनगर द्वारा एक कैम्प का आयोजन किया जायेगा। 9 मार्च से 11 मार्च को बोर्ड सदस्यों का प्रशिक्षण सौली खडड् मण्डी में किया गया।

- दिनांक 22से 24मार्च 2021 को प्रगतिशील किसान सहकारी सभा माहूंनाग के बीओडी/ कार्यकारिणी सदस्यों की तीन दिवसीय कार्यशाला का विधिवत् शुभारंभ जिला विकास प्रबंधक, राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक नाबार्ड डा. सोहन प्रेमी की अध्यक्षता में समिति कार्यालय सौली खड्ड, मंडी में किया गया प्रशिक्षण में एफपीओ माहूंनाग बारे संक्षिप्त जानकारी, गतिविधियों के विवरण सहित बातचीत रखी गई। सभी प्रतिभागियों को इस कार्यशाला के लक्ष्य उद्देश्य व तीन दिवसीय सारिणी भी बताई गई। सभी प्रतिभागियों को कार्यशाला में अनुशासित व समयवद्ध तरीके से भाग लेने बारे भी आग्रह किया गया। श्री राजेंद्र मोहन वरिष्ठ उपाध्यक्ष मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति द्वारा सामाजिक सरोकार के चलते एफपीओ को सुचारू रूप से चलाने हेतु सामूहिक निर्णय एवम् व्यक्तिगत जिम्मेवारी के सिद्धांत पर कार्य करने का आहवान किया गया। उन्होंने एफपीओ के बीओडी व पीओ के रोल/ राईट और रिस्पोंशबिल्टी बारे विस्तृत बातचीत रखी । उन्होंने जन सहभागिता हेतु व्यापक प्रचार प्रसार व लाभार्थी शेयरज की राशि को बढ़ाने बारे भी बात कही। जिला विकास प्रबंधक द्वारा एफपीओ हेतु नाबार्ड व अन्य विभागों की स्कीमों के आधार पर गतिविधियों के आयोजन करने बारे विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने एफपीओ की सदस्यता शेयर मूल्य बढ़ाने तथा वित्तीय ट्रौंजेक्शन बढ़ाने बारे विशेष आहवान किया। जिला विकास प्रबंधक महोदया ने एफपीओ से जुड़े किसानों को केसीसी बनाने व महिला किसान क्रेडिट कार्ड (गाय के चारे हेतु ऋण) बनाने बारे किसानों से आहवान किया । उन्होंने इस संबंध में बैंक अधिकारियों से भी बातचीत की। इस अवसर पर उन्होंने बीज खरीदने से लेकर तैयार माल की पैकिंग व ग्रेडिंग के उपरांत उपयुक्त मंडी तक पहुंचाने बारे भी बीओडी कमेटी से व्यापक व्यवस्था बनाने हेतु आहवान किया।

एफपीओ बीओडी ईन पीओ गर्वनेंस सिस्टम/ कौशल विकास तकनीक एम् मैनेजमेंट क्षमता निर्माण, पैकिंग व मार्केटिंग बारे विस्तृत जानकारी (पॉवर प्वाईट) पर श्री जोगिन्द्र वालिया पूर्व निदेशक सोसायटी फॉर टेक्नोलाजी एंड डिवेलपेंट नंगवाई द्वारा दी गई। उन्होंने एफपीओ के बीओडी से लेकर आम लाभार्थी तक उत्पादों की गुणवता, उनमें वेल्यू एडीशन व आपसी सहभागिता बारे विस्तृत बातचीत रखी। इस अवसर पर उन्होंने अपनी संस्था तकनीकि एवम विकास समिति के 30 वर्ष के सफर के अनुभव भी सांझा किये। उन्होंने भविष्य की कार्ययोजना व वर्तमान में लोगों की आर्थिक स्थिति और अधिक बेहतर बनाने हेतु नाबार्ड द्वारा प्रायोजित एफपीओ के सदस्यों को ईमानदारी से कार्य करने का आहवान किया। उन्होंने सब्जी उत्पादन के साथ साथ फल उत्पादन व बिक्री/ मार्केटिग तक की पूरी प्रक्रिया को एफपीओ के माध्यम से करने पर जोर दिया। उन्होंने स्थानीय स्तर पर भी उत्पाद की खपत के लिए स्कोप सुझाये। उन्होंने किसानों को अपने उत्पादों की ग्रंडिंग करके जो दागी माल निकाला है उसकी प्रोसेसिंग हेतु आचार , जैम, जूस इत्यादि की प्रोसेसिंग यूनिट की भी भविष्य में संभावनाएं जताई। श्री एस. के. मिश्रा मुख्य प्रबंधक नाबार्ड द्वारा कार्यशाला में प्रतिभागियों के साथ ऑनलाईन चर्चा की गई जिसमें उन्होंने एफपीओ के सांगठनिक ढांचे, वित्तीय प्रावधान बारे विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने एफपीओ के तहत किये जा रहे कार्यो की समीक्षा एवम् इसके बेहतर संचालन हेतु बिंदू बार जानकारी दी। कोआप्रेटिव सोसायटी के जिला निरीक्षक श्री मनोहर लाल द्वारा कोओप्रेटिव सोसायटी के नियमों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई जिसमें सोसायटी के गठन व कार्यक्रम के बारे एवम् सोसायटी को किस तरह से सफलतापूर्वक चलाया जाये बारे जानकारी दी गई। उन्होंने जन सहभागिता के द्वारा संगठित होकर किस प्रकार कार्य किया जा सकता है बारे जानकारी दी। श्री बी. आर. प्रेमी उप महाप्रबंधक नाबार्ड शिमला द्वारा प्रशिक्षण कार्यशाला में प्रतिभागियों को प्रथम सत्र में नाबार्ड द्वारा वीडियों कांफ्रेसिंग के माध्यम से किसान उत्पादक संघ के लक्ष्यों व उद्देश्यों बारे बातचीत एक सफलता की कहानी के साथ शुरू किया । उन्होंने भारतीय कृषि व्यवस्था के परिपेक्ष्य में एफपीओ की जरूरत व अपेक्षाओं बारे विस्तृत बातचीत रखी गई। उन्होंने किसान को एफपीओ की सदस्यता, शेय लाभाश, रेट, रिश्पानसिबिलिटी आफ बीओडी बारे विस्तृत जारी दी गई। उन्होंने एफपीओ की बीओडी सदस्यों से नाबार्ड व अन्य सरकारी विभागों द्वारा दी जाने वाली सहायता व स्कीमों का भरपूर फायदा एफपीओ के समस्त

किसानों तक पहुंचाने का भी आहवान किया। मुख्य महाप्रबंधक महोदय द्वारा किसानों को मिलजुल कर सदस्यता शेयर राशि बढ़ाने, सभी सदस्यों की आमदनी बढ़ोतरी हेतु नई–नई तकनीकिें , उन्नत बीज व जानकारियों के आधार पर कार्य करने का आहवान किया। उन्होंने वर्तमान व भविष्य के एक्शन प्लान व बिसजैस प्लान को सही व व्यवहारिक तरीके से बनाने बारे भी विस्तृत जानकारी दी। उक्त बहुमूल्या मार्गदर्शन हेतु समस्त प्रतिभागियों व समिति सदस्यों द्वारा मुख्य महा प्रंबधक महोदय का कोटि–कोटि आभार भी व्यक्त किया गया। स्रौत व्यक्ति श्री भूपेंद्र सिंह एपीएमसी मंडी द्वारा इस सत्र में किसानों को मार्केटिंग व सप्लाई व्यवस्था बारे विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि उत्पादक से विक्रेता व बाजार में उत्पाद को पहुंचाने व बिचौलियों से बचते हुए प्रत्यक्ष रूप से कैसे किसान अपनी उपज का उचित दाम अर्जित कर सकते हैं। उन्होंने ई–नाम मार्केटिंग व्यवस्था व ऐप को डाउनलोड करवाते हुए इस बारे विस्तृत जानकारी प्रदान की। स्रौत व्यक्ति के रूप में उपमा हांडा, प्रबंधक राज्य सहकारी बैंक द्वारा किसानों को अपनी आर्थिकी की बेहतरी व उन्नत तकनीक, खाद बीज इत्यादि के लिए बैकों से लोन लेने की प्रक्रिया व सैक्शन हेतु जरूरी दस्तावजों बारे विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने केसीसी व महिला केसीसी यानि दुधारू गाय पर मिलने वाले ऋण बारे भी जानकारी दी। स्रौत व्यक्ति के रूप में मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति के कोषाध्यक्ष श्री ललित शर्मा ने एफपीओ और पीओपीआई एक्पैंशन शेयरिंग व जन सहभागिता बढ़ाते हुए सुचारू रूप से एफपीओ के प्रतिनिधियों से कार्य करने का आहवान किया।

➢ <u>एफ0पी0ओ0प्रस्तावः</u>

- **डे**री उत्पाद हेतु बगस्याड गोहर की स्वीकृती नाबार्ड द्वारा प्राप्त हो गई है। शीघ्र ही इसका MOU जिला विकास प्रबन्धक नाबार्ड के साथ साईन करके नाबार्ड को भेजा जायेगा।

➢ <u>ओ0 एफ0 पी0 ओ0 प्रस्ताव</u>

खडडी उत्पाद हेतु सरोआ खंड गोहर से प्रस्ताव नाबार्ड को परियोजना प्रस्ताव नाबार्ड को भेजा गया है जिसमें स्वीकृति समिति को प्राप्त हो चुकी है।

➢ रूरल मार्ट परियोजना

नाबार्ड द्वारा स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों की बिक्री हेतु समिति को दो स्थानों इन्दिरा मार्केट मण्डी और सरकाघाट की स्वीकृति प्रदान की गई है। जिसमें से इन्दिरा मार्केट में रूरल मार्ट का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है लेकिन सरकाघाट में अभी तक सही ढंग से कार्य नहीं हो रहा है।

3.समिति द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियां

- 12 जुलाई को मण्डी साक्षरता एवं जन विकास समिति द्वारा नाबार्ड के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य पर पौधारोपण व करोना जागरुकता अभियान जिला भर में आयोजित किया गया। इस उपलक्ष्य पर स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं व समिति कार्यकर्ताओं द्वारा विभिन्न स्थानों पर पानी के जल स्त्रोत, पानी की टंकियों व जल भंडारण टैंक की सफाई, सार्वजनिक स्थानों की साफ सफाई व पौधारोपण, किया गया तथा समूहों की महिलाओं द्वारा मास्क भी बांटे गये।

- समिति के हजारों स्वयं सहायता समूहों ने इस गतिविधि में भाग लिया। समिति ई–शक्ति परियोजना के तहत जिला भर में 4297 स्वयं सहायता समूहों का संचालन कर रही है। इन समूहों ने समय समय पर मण्डी जिला में विभिन्न अभियानों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया है।

- समिति द्वारा महिलाओं को अत्मनिर्भर बनाने के लिए नाबार्ड के सहयोग से मण्डी व सरकाघाट में रूरल मार्ट खोले गये है। जहां पर जिला भर के स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार किये गये उत्पादों की बिक्री की जायेगी। समिति द्वारा इस मौके पर समूहों द्वारा तैयार की गई ''अपनी हल्दी'' की मार्केटिंग के कार्य का शुभारम्भ रूरल मार्ट इन्दिरा मार्केट मंडी में मंडी समिति के अध्यक्ष श्री हेमन्त राज वैद्य द्वारा किया गया।

- सुक्ष्म बीमा के तहत 29 जनवरी, 2021 को बेहतर कार्य करने सहायक अभिकर्ताओं को सम्मानित करने हेतु भारतीय जीवन बीमा निगम के क्षेत्रीय प्रबंधक एन एस रावत, शिमला मंडल के प्रबंधक अरूण राज ने समिति कार्यलय में भाग लिया। इस अवसर पर अपने संबोधन में क्षेत्रीय प्रबंधक ने कहा कि मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति एक बार फिर सुक्ष्म बीमा के मामले में देश की नंबर वन संस्था बनने की दिशा में अग्रसर है। उन्होनें कहा कि समिति ने पिछले अपनी उपलब्धियों के दम पर देश भर में नाम कमाया है जबकि आने वाले समय में समिति में अपने लक्ष्य को बढ़ाने की क्षमता हैं। मंडी मॉडल को देश भर में अपनाया जा रहा हैं। समिति का शिमला मण्डल में 18 फीसदी हिस्सा हैं। इस अवसर पर समिति के महासचिव भीम सिंह ने बताया कि समिति अब तक 1200 से अधिक लोगों के डैथ क्लेम दिलवायें हैं। जबकि 400 बीमा गांवा बनाने वाली समिति देश की पहले नंबर की संस्था बन गई है। क्षेत्रिय प्रबंधक द्वारा बेहतर कार्य करने वाले सहायक अभिकर्ताओं को सम्मानित किया गया।

- सुक्ष्म बीमा के तहत 5 मार्च,2021 को पराशर में सहायक अभिकर्ताओं हेतु शैक्षणिक सेमिनार का आयोजन किया गया जिसमें भारतीय जीवन बीमा निगम के एम.डी.एम. अरूण राज, अनिश, सुक्ष्म बीमा मंडी शाखा के प्रबंधक आर.के. ठाकुर, मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति के उपाध्यक्ष जोगिन्द्र वालिया,महासचिव भीम सिंह, कोषाध्यक्ष ललित शर्मा,जिला के समस्त खंड समन्वयकों सहित 180 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

4.कोविड–19(आपदा प्रबंधन)

समिति द्वारा संचालित स्वयं सहायता समूहों व अन्य परियोजनाओं से जुड़े कार्यकर्ताओं के माध्यम से जिला मंडी की समस्त पंचायतों में आपदा प्रबंधन कमेटियों के साथ मिलकर कार्य किये जा रहे हैं परन्तु कोराना महामारी के खतरे व दुष्प्रभाव के चलते समिति के निर्णयानुसार जिला के समस्त विकास खंडों में कोराना बारे जानकारी, बचाव व अन्य राहत कार्यो की समीक्षा व संचालन हेतु सराहनीय कार्य किया जा रहा हैं।

- वट्सऐप, फेसबुक के माध्यम से कोराना बीमारी के लक्ष्या, बचाण व उपचार बारे विस्तृत जानकारी का प्रचार प्रसार किया गया।
- स्थानीय स्तर पर महिला मंडलों/ स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से मास्क बनाने व लोगों को इनको लगाने तथा इनको पहनने से होने वाले लाभ बारे जागरूक किया गया।
- कोराना महामारी के चलते प्रवासी मजदूरों को स्थानीय स्तर पर उनके खाने व ठहरने की व्यवस्था में भी स्थानीय लोगों की मदद् व जरूरत की वस्तुए प्रदान की गई।
- सैनेटाईजर उपलब्ध करवाया व वितरण बारे विशेष पहल समिति के माध्यम से की गई

5. खंड स्तरीय समीक्षा बैठकों का विवरण

क्र	बैठक दिनांक	विवरण	उपस्थिति
1	6-7-2020	खंड समन्वयक समीक्षा बैठक	**21**
2	5-8-2020	खंड समन्वयक समीक्षा बैठक	**22**
3	8-9-2019	खंड समन्वयक समीक्षा बैठक	**16**
4	12-10-2019	खंड समन्वयक समीक्षा बैठक	**19**
5	3-11-2019	खंड समन्वयक समीक्षा बैठक	**15**
6	4-1-2020	खंड समन्वयक समीक्षा बैठक	**20**
7	3-2-2020	खंड समन्वयक समीक्षा बैठक	**17**
8	6-3-2020	खंड समन्वयक समीक्षा बैठक	**26**

6. कार्यकारिणी/ साधारण सभा बैठकों का विवरण

क्र	बैठक दिनांक	विवरण	उपस्थिति
1	11 जुलाई,2020	साधारण सभा बैठक	**18**
2	13 फरवरी,2021	साधारण सभा बैठक	**16**

फोटो व अखबारों की कतरने

दैनिक संध्या अखबार (डिजिटल संस्करण)

मण्डी

खबरनामा

.....सही खबर आप तक

मण्डी, 29 जनवरी, 2021, माघ, कृष्ण पक्ष–प्रतिपदा, 2077

सूक्ष्म बीमा में मंडी साक्षरता समिति ने कमाया नाम: एनएस रावत

बीमा के क्षेत्र में मंडी साक्षरता समिति का शिमला मंडल में 18 फीसदी हिस्सा

25 हजार बीमा पालिसी बनाने वाले पीरू राम को सम्मानित करते हुए क्षेत्रीय प्रबंधक रावत व अन्य तथा बैठक में मौजूद बीमा मित्र।

• **बीरबल शर्मा** । मंडी

मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति प्रदेश की ऐसी एकमात्र संस्था है जिसने महिला सशक्तिकरण ओर सामाजिक सुरक्षा को जमीनी धरातल पर उतारा है। समिति के अध्यक्ष हेमंतराज वैद्य ने कहा कि मंडी साक्षरता समिति सही मायने में अपने उददेश्य को लेकर चल रही है और महिलाओं को उनका आर्थिक विकास करवाने की दिशा में सहयोग कर रही है।

शुक्रवार को साक्षरता भवन में भारतीय जीवन बीमा के सहयोग से सादे समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें भारतीय जीवन बीमा निगम के क्षेत्रीय प्रबंधक एनएस रावत और शिमला मंडल के प्रबंधक अरूण राजदान विशेष रूप से मौजूद रहे। इस अवसर पर अपने संबोधन में एनएस रावत ने कहा कि मंडी साक्षरता समिति एक बार फिर सूक्ष्म बीमा के मामले में देश की नंबर वन संस्था बनने की दिशा में अग्रसर है। उन्होंने कहा कि मंडी साक्षरता समिति ने पिछले अपनी उपलब्धियों के दम पर देश भर में नाम कमाया है। जबकि आने वाले समय में समिति में अपने लक्ष्य से आगे जाने की क्षमता है।

शिमला मंडल प्रबंधक अरूण राजदान ने कहा कि समिति ने कोरोना काल में भी बेहतर कार्य किया है। उन्होंने कहा कि मंडी साक्षरता समिति लगातार कई सालों तक सूक्ष्म बीमा के क्षेत्र में अव्वल रही है। जिसके चलते अब देश भर में मंडी के मॉडल को अपनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सूक्ष्म बीमा के क्षेत्र में मंडी साक्षरता समिति का शिमला मंडल में 18 फीसदी हिस्सा है। समिति के महासचिव भीम सिंह ने बताया कि समिति ने अब तक एक लाख 70 हजार पालिसियां बना ली है। जो उत्तरी भारत में नंबर वन है। समिति ने अब तक 1200 से अधिक लोगों के डैथ क्लेम दिलवाए हैं। जबकि 400 बीमा गांव बनाने वाली समिति देश की पहले नंबर की संस्था बन गई है। उन्होंने बताया कि समिति के कार्यकर्ता पीरू राम 45 हजार पालिसी बनाने वाले पहले बीमा मित्र बन गए हैं। इस अवसर पर समिति की ओर से बेहतर कार्य करने वाले बीमा मित्रों को मुख्यअतिथि के हाथों पुरस्कृत करवाया।

जीवन बीमा की ओर से आरके ठाकुर, समिति के पदाधिकारियों वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेंद्र मोहन, भीम सिंह, वीना वैद्य, मुरारी शर्मा, ललित शर्मा, बीरबल शर्मा, सुनीता, देवेंद्र, गजेंद्र, कांशीराम आदि ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई।

'महिलाएं सीखेंगी जुराबें व स्वैटर बनाना'

थुनाग व लम्बाथाच में स्वयं सहायता समूहों के लिए 15 दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

गोहर, 15 अप्रैल (ख्याली राम): राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक नाबार्ड द्वारा आजीविका उद्यमिता विकास कार्यक्रम के तहत थुनाग क्षेत्र के स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के लिए 2 वर्ष के लिए परियोजना स्वीकृत की गई है। इस परियोजना के तहत 13 अप्रैल को थुनाग व लम्बाथाच में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के लिए 15 दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारम्भ जिला विकास प्रबंधक नाबार्ड डा. सोहन प्रेमी द्वारा किया गया जिसमें महिलाएं जुराब, स्वैटर व दस्ताने बनाना सीखेंगी। यह प्रशिक्षण 30-30 महिलाओं के 3 कलस्टरों में कुल 90 महिलाओं को दिया जाएगा जिसके तहत नाबार्ड द्वारा 2 वर्षों तक वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।

गोहर : प्रशिक्षण शिविर के शुभारंभ पर महिलाएं व विभागीय अधिकारी सामूहिक चित्र में। (ख्याली राम)

इस मौके पर मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति के महासचिव भीम सिंह, जिला परिषद सदस्य खेम दासी, हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी बैंक थुनाग के प्रबंधक पवन ठाकुर, उद्योग विभाग के प्रसार अधिकारी सिधु राम, शिक्षिका दया देवी, भीमा देवी, पवना देवी, कार्यक्रम समन्वयक गजेंद्र शर्मा व खंड समन्वयक खूबे राम सहित समूहों की 90 महिलाओं ने भाग लिया।